TELANGANA STATE PUBLIC SERVICE COMMISSION

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name :	49 Paper Code Hindi 20th May 2022 Shift 1
Subject Name :	49 Paper Code Hindi
Duration :	180
Total Marks :	100
Display Marks:	No
Calculator :	Normal
Magnifying Glass Required? :	No
Ruler Required? :	No
Eraser Required? :	No
Scratch Pad Required? :	No
Rough Sketch/Notepad Required? :	No
Protractor Required? :	No
Show Watermark on Console? :	Yes
Highlighter :	No
Auto Save on Console?	Yes
Change Font Color :	No
Change Background Color :	No
Change Theme :	No
Help Button :	No
Show Reports :	No
Show Progress Bar :	No

49 Paper Code Hindi

Group Number :	1
Group Id :	881891456
Group Maximum Duration :	0
Group Minimum Duration :	180
Show Attended Group? :	No
Edit Attended Group? :	No
Break time :	0
Group Marks :	100
Is this Group for Examiner? :	No
Examiner permission :	Cant View
Show Progress Bar? :	No
Revisit allowed for group Instructions? :	No
Maximum Instruction Time :	0
Minimum Instruction Time :	0
Group Time In :	Minutes
Navigate To Group Summary From Last Question? :	No
Disable Submit Button During Assessment? :	No

49 Paper Code Hindi

Section Id :	881891456
Section Number :	1
Section type :	Offline
Mandatory or Optional :	Mandatory
Number of Questions :	1
Number of Questions to be attempted :	1
Section Marks :	100
Display Number Panel :	Yes
Group All Questions :	No
Enable Mark as Answered Mark for Review and Clear Response :	Yes
Maximum Instruction Time :	0
Section Instructions :	

English :
Absolute

Sub-Section Number :	1
Sub-Section Id :	881891456

Question Number : 1 Question Id : 88189138571 Question Type : SUBJECTIVE Consider As Subjective : Yes Calculator : None Response Time : N.A Think Time : N.A Minimum Instruction Time : 0

Correct Marks : 100

Total No. of Questions: 8

May - 2022

Special Language Test for Officers of the Education Department
Lower Standard - Written Examination, Paper - II, Hindi
Translation from Hindi into English
(Without Books)

Time: 3 Hours *Marks: 100*

Note:
1) **Candidate should attempt six Questions subject to alternatives or limitations, if any, mentioned herein or in each question. If more are answered the last extra answers will be ignored.**
2) **Parts of the same questions must be answered together and must not be interposed other question(s).**
3) **Authorities should be quoted in support of the answers.**
4) **Question No. 1 is compulsory.**
5) **Candidates should answer the paper in English only, except language test or surveyors test, which should be answered in the language chosen only. In case of non-compliance, such Answer Script shall be invalidated.**

1. भारतीय समाज में नारी सदैव से पूजनीय रही है । भारत में नारी को जो सम्मान मिला है वह विश्व में कहीं अन्यत्र देखने को नहीं मिलता यहाँ नारी आरंभ से ही आदर्श और उत्कृष्टता का प्रतीक मानी जाती है । हड़प्पा संस्कृति में नारी की पूजा होती थी । भारतीय वाडमय में अर्धनारीश्वर की कल्पना वास्तव में इसी बात का प्रतीक है कि पुरुष और नारी एक समान हैं । वैदिक काल में नारी पूर्णतः स्वतंत्र थी । बल्कि यह कहना ज्यादा उचित होगा कि इस समय तक नारी की महत्व अगर पुरूष से ज्यादा नहीं तो कम नहीं थी । न तो पर्दा प्रथा थी और न ही सती प्रथा । पुत्र के अभाव में पुत्री ही पिता की सम्पत्ति की उत्तराधिकारिणी होती थी । विधवाओं को भी सम्पत्ति का अधिकार प्राप्त था । धीरे - धीरे नारी की स्थिति बदलती गई । भारत में मुसलमानों के आगमन के बाद जो नारी जीवन शुरू होती है जिसे सुनकर

पत्थर को भी आँसू आ जाए, करुणा भी करुणा से रो पड़े । यवनों की लोलुप दृष्टि से बचने के लिए भारतीय नारी की रक्षा का जो उपक्रम शुरू हुआ वह उसे वंदिनी बनाकर रखा । भारतीय नारी सबला से अबला बन गई । अंग्रेजों के भारत आगमन के साथ भारत ने आधुनिक युग में प्रवेश किया । भारतीय नारी पुनः परिवर्तित होने लगी अनेक सामाजिक सुधारों का सूत्रपात हुआ और सती प्रथा, कन्यावध, बाल विवाह निरोधक कानून बने । **[25]**

2. जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए हमें युद्धस्तर पर कार्य करने होंगे । छोटे बच्चों को इस समसय के प्रति सजग करना होगा । इसी उद्देश्य से हमारे देश में विद्यालयीय शिक्षा एवं अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना को अमल में लाया जा रहा है । हमारे युवक - युवतियां आगे आकार एक - एक गांव में जाकर एक -एक व्यक्ति को सचेत करें तभी पूर्ण सफलता मिल सकती है । **[15]**

3. जिस समय देश मैं स्वतंत्रता का राष्ट्रीय आंदोलन चल रहा था, उस समय त्याग, बलिदान और उत्सर्ग की भावना थी । डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद 'राष्ट्रपति' रहते हुए केवल 500 रूपये में ही अपनी आजीविका चलाते थे । राष्ट्रपति भवन के एक छोटे से कमरे में ही अपना निवास किया करते थे । तत्कालीन देशभक्तों में देशप्रेम की भावना कूट - कूटकर भारी हुयी थी । परंतु अब जीवन मूल्य परिवर्तित होकर स्वार्थ की भावना बलवती होती जा रही है । **[15]**

4. साक्षरता के अभाव में गांव में साहूकार, महाजन भी अपनी असामियों को खूब लूटा - खसोट करते । जैसे 50 रूपए देकर सौ पर अंगूठा लगवा लेना, ब्याज अपने खाते में जमा न करना । ब्याज पर ऋण देने के बात लिखने के नाम पर अनेक घर-द्वार, खेत - खलिहान आदि भी जान - बूझकर रेहन रख लेना । इस प्रकार क्या लिखा गया है, यह पढ़ पाने में असमर्थ होने के कारण

केई - केई परिवार बर्बाद हो जाते थे । यही दुख सुनकर सरकार ने साक्षरता अभियान चलाया । [15]

5. कंप्यूटर का निरंतर विकास हो रहा है । ई.सी.जी. रोबोट, मानसिक कम्पन, रक्तचाप तथा न जाने कितने जीवन रक्षक कार्यों के लिए कंप्यूटर का उपयोग किया जाता है । विश्व के अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, रूस, हालैंड, स्वीडन, ग्रेट ब्रिटेन जैसे समृद्ध देशों में इसका स्थान मनुष्य के दूसरे दिमाग के रूप में माना जाता है । भारत में भी कंप्यूटर विज्ञान की निरंतर प्रगति होती जा रही है । शायद वह दिन दूर नहीं जब भारत भी इस क्षेत्र में समुन्नत देशों की बराबरी करने लगेगा । **[15]**

6. विगत दस दशकों में विज्ञान की अभूतपूर्व समुन्नति हुई है । चिकित्सा के क्षेत्र में, आवागमन के क्षेत्र में युद्ध सामग्री निर्माण के क्षेत्र में, सुविधापूर्ण जीवन जीने के क्षेत्र में और न जाने कितने क्षेत्रों में विज्ञान ने अपनी उपादेयता प्रमाणित की है । आज सैकड़ों लोगों द्वारा सम्पन्न किया जाने वाला भारवाही कार्य क्षणों मिनटों में कर देती है । अरबों, खरबों संखयाओं के जोड़, घाटा, गुणा, भाग सेकंडों में कंप्यूटर अथवा संगणक कर डालता है । **[15]**

7. चीन ने स्पष्ट रोप से अमेरिका के अनुरोध को ठुकराते हुए कहा है कि हमें भारत से खतरा है, अतः हम अणु परीक्षण जरूर करेंगे । ऐसी स्थिति में भारत का भी उत्तर होना चाहिए कि हमें चीन से खतरा है, अतः हम अणुबाम अवश्य बनाएंगे । डरकर बैठना आज के युग में घोर कायरता की निशानी है । आज जिस प्रकार पाकिस्तान तथा चीन अपनी राष्ट्रीय आय का एक बहुत बड़ा भाग सेना तथा शस्त्रासत्रों पर खर्च कर रहे है, उसी प्रकार भारत को भी इस

ओर काफी ध्यान देने की जरूरत है । यह कार्य अपने देश में वैज्ञानिक विकास के द्वारा ही पूरा किया जा सकता है । **[15]**

8. टीवी आज के समय में ऐसी अनोखी ईजाद है जो मानव को अनेक प्रकार के लाभ दे रही है । इन सब लाभों के होते हुए भी टीवी के अवगुणों की संख्या भी काम नहीं है । कुछ विचारकों का मत है कि टीवी अधिक देखने से लोगों की वैयक्तिक विचार शक्ति कुंठित होने लगती है । टीवी के कार्यक्रम एक घिसी - पिटी परंपरा पर आधारित होते हैं जिनमें केवल कुछ लोगों का ही योगदान होता है । इसलिए अधिक टीवी देखने से मनुष्य की स्वतंत्र चिंतन की शक्ति में अवरोध आने लगता है जो चिंता का विषय है । **[15]**

❍❍❍